फॉरेन इनवेस्टर्स ने घटाई उज्जीवन में अपनी हिस्सेदारी

FII ने लिस्टिंग के बाद खरीदारी जारी रखी, जिससे फॉरेन होल्डिंग 49% की मैक्सिमम लिमिट पार कर 54% पर पहुंच गई थी

आत्मदीप रे | कोलकाता

उज्जीवन फाइनेंशियल सर्विसेज के विदेशी निवेशकों ने स्मॉल फाइनेंस बैंकों में 49 पर्सेंट से कम फॉरेन होल्डिंग्स के नियम का पालन करने के लिए उसमें खरीदा अपना कुछ हिस्सा बेच दिया है। इकनॉमिक टाइम्स को यह बात मामले के जानकार तीन सूत्रों ने बताई है।

सूत्रों ने बताया कि जो फॉरेन इनवेस्टर्स साल भर से ज्यादा समय से इस स्मॉल बैंक में बने हुए थे, उन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में उसमें अपनी होल्डिंग बेची है। इन ट्रांजेक्शंस के डिटेल उज्जीवन ने जारी नहीं किए थे। वह इन दिनों खुद को स्मॉल फाइनेंस बैंक में बदलने में जुटा हुआ है। उज्जीवन के मैनेजिंग डायरेक्टर समित घोष ने इस बारे में कमेंट करने से मना कर दिया।

उज्जीवन के बड़े फॉरेन शेयरहोल्डर्स में यूके का सीडीसी ग्रुप पीएलसी और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन हैं। बीएसई को दी जानकारी के मुताबिक सितंबर अंत में उसमें सीडीसी का हिस्सा 9.23 पर्सेंट था और IFC का 6.03 पर्सेंट स्टेक था। उज्जीवन ने लिस्टिंग से पहले आईपीओ और स्ट्रैटेजिक स्टेक सेल के जरिए फॉरेन होल्डिंग 44 पर्सेंट कर दी थी जो अप्रैल 2013 में 70 पर्सेंट था। मई में 210 रुपये के इश्यू प्राइस वाला उज्जीवन का शेयर 10.4 पर्सेंट प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था।

मार्केट के सूत्रों के मुताबिक फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स ने लिस्टिंग के बाद स्टॉक एक्सचेंजों पर उज्जीवन के शेयरों में खरीदारी जारी रखी जिससे उसमें फॉरेन होल्डिंग 54 पर्सेंट पर पहुंच गया।

इसके चलते इस स्मॉल फाइनेंस बैंक को फॉरेन इनवेस्टर्स की होल्डिंग घटाने के लिए नया फॉर्मूला बनाना पड़ा। इस बीच जून में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने फॉरेन इनवेस्टर्स को स्टॉक एक्सचेंजों पर उज्जीवन के शेयर खरीदने से रोकने के लिए एक पब्लिक नोटिस जारी कर दिया क्योंकि उसमें फॉरेन होल्डिंग तय लिमिट से ज्यादा हो गई थी। तीन हफ्ते बाद रिजर्व बैंक ने इक्विटास के मामले में भी ऐसा ही कदम उठाया। एमएफआई से स्मॉल फाइनेंस बैंक बने इक्विटास में फॉरेन होल्डिंग ट्रिगर लिमिट तक पहुंच गई थी। इक्विटास इस साल अप्रैल में लिस्ट हुआ था।

प्राइवेट बैंकों की तरह स्मॉल फाइनेंस बैंकों में भी रेगुलेटर के अप्रूवल बिना ऑटोमेटिक रूट से बनाई गई फॉरेन होल्डिंग उसके पेड अप कैपिटल के 49 पर्सेंट से ज्यादा नहीं हो सकती। इस लिमिट को स्पेशल अप्रूवल के जरिए 74 पर्सेंट तक बढ़ाया जा सकता है।

उज्जीवन फाइनेंशियल ने कहा था कि वह अगले फिस्कल ईयर के पहले क्वॉर्टर में स्मॉल फाइनेंस बैंक शुरू कर देगा। उसने मंगलवार को कहा कि वह देश के उन इलाकों में बायोमीट्रिक मशीनों के जरिए देशभर में एटीएम की सुविधा देगा, जहां फॉर्मल बैंकिंग सर्विस एकदम नहीं है या बहुत कम है।